मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MJY–005

स्नातकोत्तर उपाधि 'ज्योतिष'

(एम. ए. जे. वाई.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2023

एम.जे.वाई.-005 : ज्योतिर्विज्ञान

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र* **दो** *खण्डों में है। सभी एक अनिवार्य है। दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

भाग—क

$20 \times 3 = 60$

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

1. ज्योतिष के क्षेत्र में वराहमिहिर के योगदान का विस्तार से वर्णन कीजिए।

2. आर्यभट्ट के व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

3. आचार्य बटेश्वर के ज्योतिषशास्त्रीय योगदान का विस्तार से वर्णन कीजिए।

4. आचार्य मकरन्द के व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

5. केशवाचार्य द्वारा ज्योतिष के विकास में किए गए कार्यों का समीक्षात्मक वर्णन कीजिए।

6. सुधाकर द्विवेदी के ज्योतिषशास्त्रीय योगदान का वर्णन कीजिए।

भाग—ख $4 \times 10 = 40$

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी के अंक समान है।*

1. भास्कराचार्य द्वारा मान्य सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए।

2. आचार्य वराहमिहिर ने हमें ज्योतिष में कौन-से सिद्धान्त दिए हैं ? वर्णन कीजिए।

3. गणेश दैवज्ञ के ज्योतिष सम्बन्धी कार्यों का वर्णन कीजिए।

4. ब्रह्मगुप्त ने ज्योतिष में क्या योगदान दिया है ? निरूपण कीजिए।

5. बालगंगाधार तिलक ने ज्योतिषशास्त्र के विकास में क्या योगदान दिया है ? समीक्षा कीजिए।

6. नीलाम्बर झा का परिचय लिखिए।

7. वापूदेव शास्त्री ने ज्योतिषशास्त्र के किस पक्ष पर कार्य किया है ? पठित अंश के आधार पर वर्णन कीजिए।

8. सामन्त चन्द्रशेखर के व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।